वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 193 | शनिवार 9 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल रामकथा सुनने विद्याधर नगर स्टेडियम पहुंचे

राज्यपाल बागडे ने जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज से रामकथा सुनी, संतों से ही बची रही है भारत की संस्कृतिः राज्यपाल

जयपुर. कासं

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को विद्याधर नगर स्टेडियम पहुंचकर वहां जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी से रामकथा सुनी। उन्होंने स्वामी रामभद्राचार्य को महान संत बताते हुए उनके तप और अध्ययन की गहराई की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुगल काल में अत्याचारियों ने देश की संस्कृति को नष्ट भ्रष्ट करने का निरंतर प्रयास किया पर रामभद्राचार्य जैसे संतों की परंपरा और ज्ञान से ही भारत की संस्कृति बची रही है। उन्होंने स्वामी रामभद्राचार्य से अध्यात्म की भारतीय परम्परा और संस्कृति पर भी चर्चा की। उन्होंने जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी को युग–संत बताते हुए कहा कि उनके मुख से रामकथा का श्रवण जीवन को सार्थक करना है।

राज्यपाल बोले- हमारी संस्कृति आज भी जीवंत

राज्यपाल ने कहा- जयपुर में 22 साल बाद रामभद्राचार्य राम कथा कर रहे हैं। 800 साल पहले हमारी भारतीय हिंदू संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास हुआ तो भी आज जीवंत है। इसको कोई खत्म नहीं कर सकता। विद्याधर नगर स्टेडियम में हो रही श्री राम कथा में शनिवार से कोई एंट्री पास से नहीं होगी। कथा से पास व्यवस्था को समाप्त किया गया है। पहले आओ पहले पाओ के आधार पर जो जल्दी आएगा वही आगे की सीट पर बैठेगा।

रामभद्राचार्य बोले-पाकिस्तान का हड़पा हुआ कश्मीर हमें मिले

सवा करोड़ आहुति हनुमानजी को डालेंगे; विजय के लिए जयपुर का सहयोग चाहिए

जगदगुरु रामभद्राचार्य ने कहा- पाकिस्तान की ओर से हड़पा हुआ कश्मीर हमें मिले, इसके लिए सवा करोड़ आहुति हनुमानजी को डालेंगे। जयपुर से बहुत यजमान चाहिए, पाकिस्तान से विजय चाहिए तो जयपुर का सहयोग चाहिए। चलिए हम सभी आनंद करेंगे। रामभद्राचार्य विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित 9 दिवसीय श्रीराम कथा के दूसरे दिन शुक्रवार को बोल रहा थे। कथा में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने भी रामभद्राचार्य का आशीर्वाद लिया। रामभद्राचार्य ने कहा- राजस्थान सरकार 6 से 12वीं कक्षा तक वेद की शिक्षा देना चाहती है। इसकी मुझे जानकारी मिली है। मैं सरकार से कहूंगा। सरकार को लगे ऋग्वेद से लेकर हनुमान चालीसा तक मुझे सहयोग करना है। भारतीय संस्कृति के लिए जहां भी आवश्यकता हो सरकार मेरा उपयोग करे। मैं ऑनलाइन पढ़ाऊंगा। मुझे डेढ़ लाख वेद मंत्र याद हैं। राजस्थान में कमल का फूल खिला है। कमल के फूल से हरि की पूजा होती है। सत्ता पक्ष के कमल के फूल से हरि की पूजा कीजिए।

पानी पीने के कितने समय बाद पेशाब होनी चाहिए?

पानी पीने के बाद पेशाब आने का समय व्यक्ति की शारीरिक स्थिति, हाइड्रेशन स्तर, और कई अन्य कारकों पर निर्भर करता है। सामान्यतः, पानी पीने के बाद पेशाब आने में निम्नलिखित समय लग सकता है...

1. समयावधि:

30 मिनट से 2 घंटेः आमतौर पर, जब आप पानी पीते हैं, तो 30 मिनट से लेकर 2 घंटे के भीतर पेशाब आना सामान्य माना जाता है। यह व्यक्ति की शरीर की क्षमताओं और पानी की मात्रा पर निर्भर करता है।

2. पानी की मात्रा:

अगर आपने अधिक मात्रा में पानी पिया है, तो पेशाब जल्दी आ सकता है। Conversely थोड़ी मात्रा में पानी पीने पर पेशाब आने में अधिक समय लग सकता है।

3. शारीरिक गतिविधि:

यदि आप सक्रिय हैं या व्यायाम कर रहे हैं, तो आपके शरीर की पानी की आवश्यकता बढ़ सकती है, और इस प्रकार पेशाब करने में थोड़ी देर लग सकती है।

4. जल संतुलन:

शरीर में हाइड्रेशन स्तर और किडनी की कार्यप्रणाली भी पेशाब के समय को प्रभावित कर सकती है।

5. खाद्य पदार्थ:

कुछ खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थ (जैसे कैफीन युक्त) पेशाब को बढ़ा सकते हैं, जिससे पेशाब आने का समय कम हो सकता है।

निष्कर्ष: हर व्यक्ति के लिए यह समय भिन्न हो सकता है। यदि आपको किसी प्रकार की असामान्यता महसूस हो रही है, जैसे पेशाब में अधिक समय लगना या बहुत कम पेशाब आना, तो चिकित्सक से परामर्श करना उचित होगा।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय
राजस्थान विधानसभा,जयपुर।

कलाकुंज जैन मंदिर में घटयात्रा के साथ हुआ नौ दिवसीय श्री सिद्धचक्र विधान का शुभारंभ

आगरा. शाबाश इंडिया

मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं कलाकुंज मंदिर समिति के तत्वावधान में अष्टानिका महापर्व के पावन अवसर पर श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर कलाकुंज मारुति स्टेट में नौ दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का शुभारंभ 8 नवंबर को घटयात्रा के साथ हुआ। जिसका शुभारंभ सीए दिव्यांशु जैन परिवार द्वारा किया गयो जिसमें बड़ी संख्या में सौभाग्यशाली महिलाएं केसरिया साड़ियों में मांगलिक द्रव्य से भरे मंगल कलश लेकर घटयात्रा में चल रही थीं। घटयात्रा में बड़ी संख्या में भक्त बैंड बाजों की धुन पर नृत्य करते हुए चल रहे थे। घटयात्रा में महेन्द्र इंद्र,महायज्ञ नायक, सौधर्म इंद्र,यज्ञ नायक, कुबेर इंद्र, ईशान इंद्र,बह्मइंद्र के स्वरूप बग्घियों में सवार थेघटयात्रा कलाकुंज जैन मंदिर से शुरू होकर मारुति एनक्लेव विनय नगर,सुलहकुल नगर,श्याम नगर, बोदला चौराहा,मारुति स्टेट चौराहे होते हुए श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर पहुंची।घटयात्रा के मंदिर पहुंचने पर विधान का ध्वजारोहण पंडित विनय जैन एवं श्रीमान रचना जैन परिवार द्वारा किया गया,साथ ही भगवान महावीर स्वामी के चित्र का अनावरण प्रवीन जैन एवं श्रीमती रंजना जैन एवं दीप प्रज्वलन विजय जैन एव पलाश जैन परिवार द्वारा किया गया। इसके बाद विधानचार्य पंडित सौरम जैन शास्त्री के निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ विधान में बने सभी पात्रों ने मंडल पर सिद्धों का स्मरण करते हुए 8 अर्घ्य समर्पित किए। इस दौरान कलाकुंज सकल जैन समाज के भाव देखते ही बन रहे। विधानचार्य सौरम जैन शास्त्री ने विधान के महत्व को समझाते हुए कहा कि सिद्धों की आराधना करने से शारीरिक मानसिक और आर्थिक कष्ट दूर होते हैं।सिद्धों के गुणों का अर्घ्य चढ़ाते समय चिंतन करना कि हे भगवान मैं भी आठों कर्मों नाश कर सिद्ध पद को प्राप्त कर जाऊं। मन, वचन और काय की पवित्रता के साथ पूजन करना, तभी अशुभ कर्मों का नाश होगा और सुख के साथ शाश्वत सुख की प्राप्ति संभव होगी।घटयात्रा की व्यवस्था श्री वर्धमान युवा मंडल द्वारा संभाली गई। सायःकाल 7:00 बजे भक्तों ने श्री विशाल जैन अहिंसा म्यूजिकल ग्रुप द्वारा संगीतमय में श्रीजी मंगल आरती की गईं इस कार्यक्रम में रविंद्र कुमार जैन,डॉ राजीव जैन,मुकेश जैन भगत, प्रवीन कुमार जैन,विवेक जैन,विकास जैन,सौरभ जैन,आदित्य जैन भगत, संयम जैन,दीपक जैन,देवेंद्र जैन, संजय जैन,संजीव जैन,सुबोध जैन, शुभम जैन मीना जैन,ममता जैन,रविवाला जैन,हेमलता जैन, समस्त कलाकुंज सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। **रिपोर्ट : शुभम जैन**

श्री सिद्ध चक्र विधान से कष्टों से मुक्ति, अगले जन्म में शुभ ही शुभ: आचार्य शशांक सागर

घट यात्रा में किया नगर भ्रमण

जयपुर. शाबाश इंडिया

वरूण पथ स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में अष्ठानिका के प्रथम दिवस पर आयोजित घट यात्रा में आचार्य शशांक सागर जी महाराज के सान्निध्य में नगर भ्रमण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के जयकारों और प्रसिद्ध भजनों, जैसे ह्यजैन धर्म के हीरे मोतीह्व, ह्यमहावीर की सुंदर मूरत लागे मने प्यारीह्व से पूरा शहर गूँजायमान कर दिया। नगर के विभिन्न स्थानों पर आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन और आरती का आयोजन किया गया। बैंड बाजे के साथ जुलूस में महिलाएं पीत वस्त्रों में सिर पर कलश रखकर तथा पुरुष श्वेत वस्त्रों में भाग ले रहे थे। समिति अध्यक्ष एम. पी. जैन ने बताया कि झण्डा रोहण प्राचार्य डॉ. शीतल चंद जैन और अखण्ड दीप प्रज्ज्वलन जय कुमार प्रभा जैन ने किया। इस अवसर पर नगर निगम के चेयरमैन पारस जैन का स्वागत भी किया गया। सौधर्म इन्द्र सुनील और अनीता गंगवाल ने बताया कि आचार्य श्री ने अपने प्रवचन में श्री सिद्ध चक्र विधान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस विधान से सभी प्रकार के कष्ट दूर होते हैं और प्रत्येक व्यक्ति को इसे जीवन में एक बार अवश्य करना चाहिए, जिससे न केवल वर्तमान जीवन सुधरता है, बल्कि आगामी भव भी शुभ ही शुभ होगा। भास्करेन्द्र सतीश जैन ने बताया प्रतिष्ठाचार्य प्रदुम्न शास्त्री ने मंत्रोच्चार कर मण्डल शुद्धि के साथ प्रथम वलय की पूजा करवाई । सांय आरती के साथ भक्ति संध्या का आयोजन हुआ। प्रतिदिन प्रातः अभिषेक, शांतिधारा, विधान के साथ आरती होगी।

-सुनील जैन गंगवाल

श्रावकाचार विषय पर विद्वत संगोष्ठी का आयोजन 10 नवंबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रतापनगर सेक्टर 8 दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल एवं प्रतापनगर सेक्टर 8 इकाई और समस्त जैन समाज प्रतापनगर सेक्टर 8 के तत्वावधान में दिनांक 10 नवम्बर , रविवार को सांयम 3.00बजे से श्रावकाचार विषय पर विद्वत संगोष्ठी परम पूज्य उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज के परम सानिध्य एवं आशीर्वाद से होने जा रही है। इस अवसर पर प्रोफेसर डॉ श्रीयांश सिंघई, ह्यश्रावकाचार की उपयोगिताह्व और डॉ सनत कुमार जैन श्रावकाचार::ह्यजीवन जीने की कला ह्यविषय पर प्रकाश डालेंगे। इस संगोष्ठी के पोस्टर का विमोचन राष्ट्रीय महासचिव सुरेन्द्र कुमार पांड्या के जन्म दिवस पर उनके निवास पर किया गया। अतः आप संगोष्ठी में सभी पधार कर पुण्यार्जन अवश्य करेंऔर उपाध्याय श्री के आशीर्वाद का भी लाभ प्राप्त करें।

श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्
महावीर मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर - 302001
द्वारा संचालित
श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय
के उदीयमान विद्यार्थियों के सम्मानार्थ
शनिवार, दिनांक 09 नवम्बर 2024
प्रात: 10 बजे
विद्यालय प्रांगण में आयोजित
छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह
में आप सादर आमन्त्रित हैं।
माननीय उपमहानिरीक्षक (SOG)
श्री परिस देशमुख
मुख्य अतिथि होंगे ।
उमराव मल संघी अध्यक्ष
सुनील बख्शी मानद् मंत्री
महेश काला कोषाध्यक्ष

वेद ज्ञान

दैवीय गुणों वाला इंसान

कई बार बेहद मामूली कारणों से आप दुनिया को समझ नहीं पाते। उन मामूली कारणों के बारे में सोचिए, जो शायद दैनिक व्यवहार का हिस्सा हैं। जैसे, आप मानते हैं कि काम पर जाते समय आप एक कप कॉफी आसानी से खरीद सकते हैं और ऐसा होता है। वहन करने की क्षमता, यहां कोई मुद्दा नहीं है। आप मानते हैं कि बस स्टॉप तक जाना आसान है। इसलिए, शारीरिक पाबंदी भी यहां कोई मुद्दा नहीं है। आप मानते हैं कि आप सांस ले सकते हैं। आपका शारीरिक तंत्र, हवा खींचने और बाहर निकालने में सक्षम है और ऐसा होता भी है। लेकिन, उन लोगों के बारे में सोचिए, जिनके लिए ये सब चीजें मुश्किल हैं। तब आपको महसूस होगा कि कुछ लोग चाहकर भी अपने लिए कॉफी नहीं ला सकते, कुछ कदम नहीं चल सकते और ढंग से सांस नहीं ले सकते। खुद से पूछें कि कहीं ये सब परेशानियां आपके कमजोर विश्वास के कारण तो नहीं आ रहीं। हो सकता है कि कमजोर विश्वास की वजह से हर बार आपके सामने परेशानियां आती हों। कारण जो भी हो, आकर्षण का सिद्धांत, उन सभी चीजों को पास ले आता है, जो आपकी पहुंच से दूर हैं। कोई भी अपनी ज़िंदगी में परेशानियां नहीं चाहता। कॉफी का एक कप खरीदना, कुछ कदम चलना या सांस लेना बहुत से लोगों के लिए सामान्य बात है। हालांकि, कई लोगों के लिए यह दुर्गम पहाड़ पार करने से ज्यादा नहीं है। यहां हम ज़िंदगी की बड़ी समस्याओं, जैसे कि पैसे या संबंधों की बात नहीं कर रहे। कई भावनात्मक डर, हमारे मन में पिछले अनुभवों और बचपन की यादों के कारण घर कर जाते हैं। यही डर हमारी वर्तमान ज़िंदगी में किए जाने वाले कार्यों के आड़े आते हैं। कई लोगों के लिए ये चीजें मुश्किल नहीं हैं। हालांकि, हमें इन परेशानियों के कारण ढूंढ़ने में ज्यादा समय खराब नहीं करना चाहिए। परेशानियां हमारे सामने ही हैं, जो एकदम स्पष्ट हैं और हमारी वर्तमान ज़िंदगी में खलल डाल रही हैं। हम किस तरह इस असंतुलन को ठीक कर सकते हैं? किस तरह हम इन दुर्गम पहाड़ों को छोटे पत्थरों में बदल सकते हैं, जिन्हें हम आसानी से लांघ जाए? शायद हम इन समस्याओं को आसानी से हरा दें। जवाब आसान है। आकर्षण के सिद्धांत के जरिए हम अपने विचारों को नई संभावनाओं में बदल सकते हैं।

संपादकीय

भारत के लिए एक बड़ा सिरदर्द है मधुमेह

हाल ही में इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2045 तक मधुमेह के रोगियों की संख्या 134 मिलियन होने का अनुमान है। चिंता का विषय यह है कि भारत में मधुमेह का निदान औसतन 10 वर्ष पहले हो रहा है, जो पश्चिमी देशों की तुलना में काफी कम उम्र है। वर्तमान समय में हमारा देश एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती का सामना कर रहा है। वह है मेटाबोलिक सिंड्रोम यह एक जटिल स्वास्थ्य समस्या है

जो उच्च रक्तचाप, मधुमेह (उच्च रक्त शर्करा), असामान्य कोलेस्ट्रॉल स्तर और अधिक शरीर वसा जैसे कई लक्षणों का संयोजन है। अक्टूबर 2023 में, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने एक व्यापक अध्ययन जारी किया, जिसमें पाया गया कि भारत में मेटाबोलिक सिंड्रोम की दर पिछले पांच वर्षों में 15 फीसद बढ़ गई है। यह वृद्धि विशेष रूप से 30-45 वर्ष की आयु वर्ग में देखी गई है, जो चिंता का विषय है। भारत में मेटाबोलिक सिंड्रोम की स्थिति चिंताजनक है। विशेष रूप से मधुमेह, हृदय रोग और मोटापे के संदर्भ में। इन तीनों स्थितियों का मेटाबोलिक सिंड्रोम से गहरा संबंध है और ये एक दूसरे को प्रभावित करती हैं। भारत को 'मधुमेह की राजधानी' के रूप में जाना जाता है, और यह उपाधि बिना किसी कारण के नहीं दी गई है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगभग 77 मिलियन लोग मधुमेह से पीड़ित हैं, जो विश्व में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। मेटाबोलिक सिंड्रोम वाले व्यक्तियों में टाइप 2 मधुमेह विकसित होने का जोखिम 5 गुना अधिक होता है। भारतीय आबादी में इंसुलिन प्रतिरोध की उच्च दर पाई गई है, जो मेटाबोलिक सिंड्रोम का एक प्रमुख लक्षण है। मेटाबोलिक सिंड्रोम का दूसरा प्रमुख लक्षण हृदय रोग है जो कि भारत में मृत्यु का प्रमुख कारण है। भारत में हर साल लगभग 4.77 मिलियन लोगों की मृत्यु हृदय रोग के कारण होती है। एक अध्ययन के अनुसार, भारतीयों में हृदय रोग का खतरा पश्चिमी आबादी की तुलना में 3-4 गुना अधिक है। मेटाबोलिक सिंड्रोम वाले व्यक्तियों में हृदय रोग का जोखिम 2 से 3 गुना अधिक होता है। भारत में हृदय रोग के मामले युवा आयु वर्ग (30-40 वर्ष) में भी तेजी से बढ़ रहे हैं, जो मैटाबोलिक सिंड्रोम के बढ़ते प्रसार से जुड़ा हो सकता है। मोटापा भी मेटाबोलिक सिंड्रोम का एक प्रमुख घटक है और भारत में यह एक बढ़ती हुई समस्या है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 (2019-21) के अनुसार, भारत में 24 फीसदी महिलाएं और 22 फीसदी पुरुष मोटापे या अधिक वजन की समस्या से ग्रस्त हैं। शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा और भी अधिक है। एक अध्ययन के अनुसार, मेटाबोलिक सिंड्रोम वाले व्यक्तियों में कोविड-19 के गंभीर लक्षण विकसित होने का खतरा 3.4 गुना अधिक था। महामारी के दौरान लॉकडाउन और सामाजिक दूरी के कारण लोगों की शारीरिक गतिविधियां कम हुई और खान-पान की आदतें बिगड़ीं, जिसने मेटाबोलिक सिंड्रोम के जोखिम को और बढ़ा दिया। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

ट्रंप की वापसी

रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्होंने बहुमत के जादुई आंकड़ों से अधिक हासिल किए हैं जो अमेरिकी समाज में उनकी लोकप्रियता को दर्शाता है। वह 2016 में भी चुनाव जीते थे। उनकी यह दूसरी जीत इसलिए भी विशेष मायने रखती है कि इस बार उनकी पार्टी को सीनेट में भी बहुमत मिल गया है। चुनाव अभियान के दौरान डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला हुआ था। इस घटना ने अमेरिकी समाज को गहरे तक झकझोर दिया था। हमले के समय ट्रंप ने जैसी हिम्मत और दिलेरी दिखाई थी उसे अमेरिकी मतदाता बहुत प्रभावित हुआ था। आम लोगों में ये धारणा बनी कि आज की अस्थिर और संघर्ष से जूझ रही दुनिया में ट्रंप जैसे दृढ़ संकल्प वाले नेता की जरूरत है। उनकी ऐतिहासिक जीत में ट्रंप के व्यक्तित्व के इस करिश्माई पहलू की बड़ी भूमिका रही है। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में डेमोक्रेटिक पार्टी के दो बड़े नेताओं ने ट्रंप को समर्थन देने की घोषणा करके हलचल मचा दी। कैनेडी परिवार के सदस्य रॉबर्ट एस कैनेडी ट्रंप के समर्थन में आ गए। जनमत सर्वेक्षणों के मुताबिक वह पांच फीसद मतदाताओं की पसंद थे। उनके दल बदलने से कड़ी टक्कर वाले 'स्विंग स्टेट' में ट्रंप को भारी सफलता मिली। इसी तरह डेमोक्रेटिक पार्टी की एक और पूर्व नेता तुलसी गार्ड ने भी ट्रंप को समर्थन देने की घोषणा की। सैनिक होने के वावजूद तुलसी युद्ध विरोधी हैं। डोनाल्ड ट्रंप की जीत का असर अमेरिका की घरेलू राजनीति के साथ वैश्विक राजनीति पर भी पड़ेगा। घरेलू स्तर पर अमेरिकी समाज और राजनीति में ध्रुवीकरण की प्रक्रिया तेज होगी। विदेश मोर्चे पर ट्रंप अलग राह पकड़ सकते हैं। चुनाव जीतने के बाद उन्होंने कहा कि ''मैं युद्ध शुरू नहीं करूंगा बल्कि रोकने की कोशिश करूंगा।'' उनकी इस घोषणा से उम्मीद

बनती है कि रूस यूक्रेन युद्ध अब जल्द समाप्त होगा। वहीं भारत को ट्रंप से काफी अपेक्षाएं भी हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि वर्तमान प्रशासन की शह पर कनाडा जिस तरह से भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा उस पर रोक लगेगी। हालांकि ट्रंप मनमौजी किस्म के व्यक्ति हैं। वह किसी मुद्दे पर क्या रुख अपनाएंगे यह कहना मुश्किल है। फिर भी ट्रंप की नीतियों से भारत के हित एक हद तक सधेंगे ऐसा कहा जा सकता है।

सर्वतो भद्र विधान को 9 नवंबर को ध्वजारन के साथ शुभारंभ होगा

नौगामा. शाबाश इंडिया। परम पूज्य पवित्रमति माताजी करणमति माताजी गरिमा मति माताजी एवं विधान आचार्य अनिल भैया उदासीन आश्रम इंदौर विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी वीना दीदी प्रियंका दीदी के सानिध्य में दिनांक 9 नवंबर शनिवार को सर्वत्र भद्र विधान का शुभारंभ होगा। प्रातः आदिनाथ मंदिर में विशेष शांति धारा अभिषेक के बाद घट यात्रा पंडाल की शुद्ध इंद्र प्रतिष्ठा घट यात्रा इंद्र इंद्राणियों का शुद्धिकरण इस अवसर पर सौधर्म इंद्र कैलाश शांतिलाल, भरत चक्रवर्ती सुभाष चंद्र नानावटी, कुबेर इंद्र राजेश जैन, यज्ञ नायक विपुल पंचोली, बाहुबली नितेश जैन को बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ । ध्वजारोहण पंचोली संदीप राजेंद्र द्वारा किया जाएगा चातुर्मास समिति अध्यक्ष निलेश जैन, उपाध्यक्ष राजेंद्र गांधी, नरेश जैन एवं हार्ड पिपरिया से पधारे हुए यात्रियों द्वारा विधान की पत्रिका का विमोचन किया गया। उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

कर्म किसी को नहीं बख्शते, उन्हें भोगने पर ही छुटकारा पाया जा सकता है: डॉ. प्रितीसुधा

उदयपुर. शाबाश इंडिया। कर्मों से मुक्ति पाने का एकमात्र उपाय यह है कि हम उनके परिणामों को धैर्यपूर्वक स्वीकार करें और अपने जीवन में उसे आत्मसात करें।शुक्रवार को पंचायती नौहरा मुखर्जी चौक में आयोजित धर्मसभा में प्रखंर वक्ता डॉ. प्रितीसुधा ने श्रध्दालूओं को सम्बोधित करतें हुए कहा कि कर्मफल भोगने से स्वंय भगवान नहीं बच सके तो हमारे जैसे संसारिक मनुष्य की क्या बिसात है जो वह कर्मो के फल से बच जाए। कर्मों का फल तो सब को भोगना ही पड़ेगा है,चाहे इस जन्म में भोगे या अगले जन्म में, भोगें बिना संसार से छुटकारा हमें नहीं मिलने वाला है। दुनिया मे अब तक ऐसा को प्राणी पैदा नहीं हुआ है जिसने कर्म से बचकर संसार से मुक्ति पाई हो। बिना भुगतान किये कर्म हमारा पीछा नहीं छोड़ेगे चाहे हंसकर भुगते या रोकर कर्म किसी भी हालत मे नहीं बख्शते वाले है। जब हम अशुभ कर्म करते उस वक्त यह सोचते है कि कौई भी हमें नहीं देख रहा है लेकिन कर्मो के एक नहीं असंख्य आंखे होती है हम लाख जतन करले पर कर्म को छिपाऐ नहीं छिपा पाऐगे। भुगतान किऐ बिना हमारी आत्मा को संस्कार से मुक्ति मिलने वाली नहीं है। अच्छे कर्म करके पर ही हम कर्मो की निर्जरा कर पाएंगे। साध्वी सयंम सुधा ने भजन के माध्यम से भाव व्यक्त किए। श्रावक संघ के अध्यक्ष सुरेश नागौरी महामंत्री रोशनलाल जैन, राजेंद्र खोखावत, लक्ष्मीलाल वीरवाल महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू सिरोया, संतोष जैन, पुष्पा खोखावत आदि पदाधिकारी और श्रध्दालुओं की धर्मसभा मे उपस्थित रही।

-प्रवक्ता निलिष्का जैन

सिद्ध चक्र महामंडल विश्व शांति महायज्ञ विधान पूज्य जैन संत 108 सुयश सागर जी के सानिध्य में प्रारंभ

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान व विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन श्री दिगम्बर जैन समाज द्वारा 7 नवंबर से 13 नवंबर तक श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर के बगल प्रांगण में किया जा रहा है। यह आयोजन मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज के सानिध्य में होगा। आठ दिन तक चलने वाले इस विधान का शुभारंभ गुरुवार सुबह 6.30 बजे घटयात्रा के साथ हुआ। जो नगर भ्रमण कर कार्यक्रम स्थल पर पहुँचा जहाँ भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य प्राप्त जय कुमार-त्रिशाला गंगवाल के द्वारा ध्वजारोहण के साथ विधान की क्रिया प्रारंभ हुई ।सर्व प्रथम सौधर्म इन्द्र ओर विधान पुण्याजक ललित-नीलम सेठी के द्वारा अभिषेक शन्तिधारा के साथ भूमि शुद्धि करते हुवे सभी इन्द्रो का सकलीकरण किया गया इसके साथ ही इस विधान मे आठ अर्घ,16

अर्घ के साथ श्री चरणों मे श्री फल समर्पित किया ।इस अवसर पर मुनि श्री 108 सुयश सागर जी ने कहा कि सिद्धचक्र महामंडल विधान ऐसा अनुष्ठान है, जो हमारे जीवन के समस्त पाप-ताप और संताप को नष्ट कर देता है। यह विधान भक्ति के माध्यम से कर्म चक्र को तोड़कर मोक्ष प्राप्ति करने का मार्ग है। ओर अर्घ समर्पण करने से मन मे एकाग्रता आती है और ये सिद्धचक्र विधान सिद्ध फल के साथ सुख शांति स्वास्थ्य सम्रद्धि सफलता और पुण्य प्रसून देने वाली है ।कई बार तो पुण्य तो इतना तीव्र होता है उसे संभालना मुश्किल होता है जो पुण्य को संभाल लेता है वह अपने परिणामों को भी सम्हाल लेता है यह क्षमता हम सबके पास है ।विधान में रात्रि में प्रतिदिन मुनि श्री के मुखारबृन्द से णमोकार चालीसा के साथ सुरेन्द-सरिता काला परिवार के साथ चंदना ग्रुप के द्वारा भव्य आरती ओर सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस उपलक्ष्य में समाज के द्वारा कई अयोजन होंगे जिसको सफल बनाने में पुरा समाज तत्पर है। नित्य कार्यक्रमों की श्रृंखला में मंडप का शुद्धिकरण, देव अर्चना, देव निमंत्रण, आचार्य निमंत्रण, गुरु निमंत्रण, अभिषेक शांतिधारा के पश्चात मुनि श्री जी का उद्बोधन होगा ।रात्रि में णमोकार चालीसा भव्य आरती सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। विधान में प्रतिष्ठाचार्य स्थानीय विद्वान पंडित अभिषेक जी शास्त्री,सुबोध-आशा गंगवाल की मुख्य भूमिका रहेंगी। कोडरमा मीडिया प्रभारी राज कुमार अजमेरा,नविन जैन

महाराणा भूपाल चिकित्सालय में स्टील निर्मित 3 सिटिंग वाली 10 स्टील बेंच भेंट की

उदयपुर. शाबाश इंडिया

सेवा सहयोग में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा उदयपुर के द्वारा में महाराणा भूपाल चिकित्सालय में वार्ड न.101, 102 को स्टील निर्मित 3 सिटिंग वाली 10 स्टील बेंच मरीजों एवं परिजनों के बैठने की व्यवस्था हेतु मुहैया कराई गई। उपरोक्त 10 स्टील बेंच सेवाभावी, भामाशाह, वरिष्ठ आजीवन सदस्या सुश्री प्रेमलता मेहता की प्रेरणा से उनकी सखी आजीवन सदस्या किरण शर्मा के सहयोग से हो पाई। सेवा सहयोग प्रकल्प के समारोह का संचालन मानद सचिव सुनील गांग द्वारा किया गया मानद सचिव सुनील गांग ने शाखा के सभी आजीवन सदस्यों को बधाई प्रेषित करते हुवे कहा कि राजस्थान में उदयपुर जिला शाखा आप सभी के सहयोग से सेवा कार्यों में सबसे अग्रणी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाराणा भोपाल चिकित्सालय सुप्रीटेंडेंट डॉ. आर. एल.सुमन ने अपने वक्तव्य में भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी जिला शाखा एवं भामाशाह सुश्री प्रेमलता एवं किरण शर्मा की खुले दिल से तारीफ की एवं अन्य आवश्यकताओं के बारे में जानकारी प्रदान की साथ ही उन्होंने शाखा के सभी सदस्यों को बधाई एवं साधुवाद प्रेषित करते हुवे कहा कि पिछले 20-25 वर्षों से निरंतर आवश्यकता अनुसार उपकरण एवं सामग्री शाखा एवं भामाशाओ से प्राप्त होती रही है एवं भविष्य में भी सहयोग बना रहे। डॉ. आर.एल. सुमन का शाखा अध्यक्ष डॉ. गजेंद्र भंसाली, संरक्षक नवल सिंह खमेसरा एवं कोषाध्यक्ष राकेश बापना द्वारा उपरणा एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया साथ ही प्रो. डॉ.बलदेव मीना का स्वागत एवं अभिनंदन चेयरमैन डॉ.गजेंद्र भंसाली, मानद सचिव सुनील गांग एवं कोषाध्यक्ष राकेश बापना द्वारा किया गया। भामाशाह किरण शर्मा को वार्ड इंचार्ज सोनी उपाध्याय एवं गीता अहरी द्वारा ऊपराना एवं पगड़ी पहना कर डॉक्टर्स द्वारा अभिनंदन किया गया। उपरोक्त सेवा प्रकल्प में डॉ. गजेंद्र भंसाली ने बताया कि महाराणा भोपाल चिकित्सालय द्वारा इंडियन रैड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा उदयपुर को सेवा प्रकल्प सहयोग के लिए हमेशा याद किया जाता है उसके लिए हम चिकित्सालय के सभी डॉक्टर्स प्रसाशन एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते है एवं भविष्य में भी जब कभी हमें सेवा सहयोग हेतु याद करेंगे शाखा के सहयोग के हाथ हमेशा आप के साथ रहेंगे। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष सुरेश सिसोदिया, डिजास्टर मैनेजमेंट संयोजक कृष्णा भंडारी, आजीवन सदस्या निर्मला गर्ग आदि की उपस्थिति रही। कोषाध्यक्ष राकेश बापना ने धन्यवाद की रस्म अदा की।

राजस्थान प्राकृत अकादमी के विधिवत संचालन के लिए शास्त्री परिषद ने उप मुख्यमंत्री को दिया दिया पत्र

किशनगढ़, राजस्थान. शाबाश इंडिया। परम पूज्य प्राकृताचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी के मध्य राजस्थान के उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद्र बैरबा के आगमन पर अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रि परिषद ने राजस्थान प्राकृत अकादमी के विधिवत संचालन के लिए शास्त्री परिषद ने उप मुख्यमंत्री को पत्र दिया। इस मौके पर शास्त्रि परिषद ने यह भी निर्णय लिया कि प्राकृत सुनील समग्र पर वर्ष भर व्याख्यान, प्राकृत को शास्त्री भाषा घोषित किए जाने पर किए जाएंगे।

-डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर
प्रचारमंत्री शास्त्रि परिषद

महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र जैन पाण्ड्या के जन्मदिन पर बधाई दी

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र जैन पाण्ड्या के जन्मदिन के अवसर पर दिगंबर जैन महा समिति राजस्थान अंचल के एवं महिला अंचल के पदाधिकारी ने माला साफा पहनाकर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर दिगंबर जैन महा समिति राजस्थान अंचल के महामंत्री महावीर बाकलीवाल, कार्याध्यक्ष डॉ नमोकर जैन , सुरेश बांदीकुई ,राजेंद्र शाह ,सुनील बज सांगानेर के अध्याक्ष कैलाश माल्या, मंत्री अशोक लुहड़िया एवं मृदुला जैन और महिला अंचल की अध्यक्ष शकुंतला बिन्दायक रही।

दुर्गापुरा स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी में अष्टान्हिका महापर्व पर विधान पूजन का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दुर्गापुरा स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी में अष्टान्हिका महापर्व के पावन अवसर पर श्री 1008 श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान पूजा का शुभारंभ संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के परम शिष्य मुनि श्री 108 पावन सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 सुभद्र सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में झंडारोहण से हुआ। विधान की पूजा संगीत के साथ विधानाचार्य पं अजित जैन 'आचार्य' द्वारा 15.11.2024 तक प्रतिदिन प्रातः 7.00 बजे से पांडाल में होगी। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि झंडारोहण श्रेष्ठी रमेश चंद - सुमति देवी अजमेरा, परिवार श्रीजी नगर दुर्गापुरा ने किया। मंडल पर मंगल कलश की स्थापना विमल चन्द कांता बड़जात्या परिवार ने की। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष विमल कुमार गंगवाल ने बताया कि विधान पूजा के मुख्य पात्रों ने प्रथम वलय की पूजा के आठ अर्घ्य मण्डल पर चढ़ाये। सौधर्म इन्द्र डॉक्टर मोहनलाल शांति मणि, कुबेर इंद्र अजित शशि तोतूका, श्रीपाल मैना सुन्दरी राजकुमार चंदा सेठी , यज्ञ नायक - पारस आशा पाटनी, ऐशान इन्द्र प्रकाश चन्द मनोरमा चांदवाड़, सानत्कुमार इन्द्र महावीर प्रसाद हेमलता बाकलीवाल, माहेन्द्र इन्द्र राजेन्द्र कुमार शीला काला, ब्रह्म इन्द्र दूलीचंद चम्पा देवी चांदवाड, लान्तव इन्द्र अनिल कुमार रेणु लुहाड़िया, शुक्र इन्द्र अशोक कुमार सुशीला काला, शतार इन्द्र महावीर कुमार भंवर पाटनी, आनत इन्द्र नेमी चंद मंजू सोनी थे। परम पूज्य आचार्य श्री 108 देशभूषण जी महामुनिराज की परंपरा के वरदत्त सागर जी के शिष्य मुनि श्री 108 महिमा सागर जी मुनिराज का श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में मुनि श्री 108 पावन सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 सुभद्र सागर जी महाराज का मंगल मिलन हुआ। मंगल मिलन के अवसर पर महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रेखा लुहाड़िया, मंत्री रानी सोगानी, ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सुनील संगही एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे। विधान पूजा के मध्य में मुनिश्री 108 महिमा सागर जी एवं मुनिश्री 108 पावनसागर जी के प्रवचन हुए।

गुरुजी स्मृति अंक गवर्नर को भेंट की

जयपुर. शाबाश इंडिया। केशव नवनीत द्वारा प्रकाशित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्री माधवराव सदा शिवराव गोलवलकर की जन्म शताब्दी पर प्रकाशित किया गया ऐतिहासिक अंक 'वंदनम' संपादक रामचरण बड़ाया ने राज्यपाल हरी भाऊ बागडे को भेट किया। बड़ाया ने गवर्नर को अपने संस्थान से संबंधित विभिन्न आयोजन प्रकाशन की गतिविधियों की विस्तार से भी जानकारी दी । पत्रकार सुरेंद्र जैन बडजात्या ने बताया कि इस अवसर पर केशव नवनीत के प्रबंध संपादक केशव बड़ाया एवं प्रखंर नवनीत की संपादक भारती खंडेलवाल भी मौजूद थी। महामहिम ने केशव नवनीत परिवार के सुमधुर भविष्य की मंगल कामना भी की।

बुध हमारी ज्ञान वृद्धि का प्रतीक है: युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी म.सा.

आठ बार की प्रवचनमाला में बुध की विवेचना

चैन्नई. शाबाश इंडिया

एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने आठ वार की प्रवचनमाला मे बूध की विवेचना हुए धर्मसभा में श्रध्दालुओं को बताया कि हमारी भारतीय संस्कृति में प्राचीन संख्या में सात का विशेष महत्व रहा है। योग में चाहे वह पतांजलि हो या सांख्य शास्त्र हो, हमारे शरीर में स्थित सात चक्रों की चर्चा है। मूलाधार से शुरू होकर ये सात चक्र है।इन सात चक्रों के माध्यम से साधक अपनी ऊर्जा को समग्र रूप से कर सकता है, ऐसा योग मंत्र कहता है।स्वर भी सात होते हैं, जो एक लहर का निर्माण करते हैं। इंद्रधनुष को भी सप्तरंगी कहते हैं।हमारी सात वारों की चर्चा चल रही है। इसमें बुध को हम समझें। बुधवार यानी ज्ञान। यह बोध कराने वाला है। यह शब्द ज्ञानार्थक है। इसका एक और अर्थ है गति। उन्होंने कहा आज बच्चों की बुद्धि पूर्ण विकसित नहीं होती। जो अनुभवियों के साथ चलता है, उसकी बुद्धि चलने वाली होती है। आजकल बच्चों का मुवमेंट बिल्कुल बंद हो गया है। वे अन्य चीजों में स्थिर हो जाते हैं। इस कारण स्टोरेज क्षमता कम हो जाती है। हमारे जानने की शक्ति, ज्ञान क्षमता को कैसे बढ़ा सकते हैं। बुधवार शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में उत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिए माना जाता है। हमारी स्मरण शक्ति बढ़ाने के लिए कोई भी उपाय कर लें लेकिन जानने की, धारणा की शक्ति को बढ़ाना ही पड़ेगा। किसी भी विषय को धारण करने की शक्ति जीरो लेवल पर पहुंच गयी है। हमारा अभ्यास कम होने के कारण यह धारणा शक्ति कम हो गई

है। जब आप स्वाध्याय करते हैं तो वह मस्तिष्क की केपेसिटी को बढाती है। उन्होंने कहा बुध हमारी ज्ञान वृद्धि का प्रतीक है। कुछ चीजों को लिखने का अभ्यास करो और उसको पुनः पढ़ो। यानी हमारी धारणा शक्ति को चलित करना। बुध बुद्धि का स्वामी है। बुद्धि को तेज बनाता है। यह यात्रा करने की प्रेरणा देने वाला है। हमारे जीवन में जो ज्ञान की वृद्धि है, वह धारा को बनाए रखने से होती है। ज्ञान की धारा को निरंतर बनाए रखो। हम निश्चित रूप से बुधवार के द्वारा बुद्धिमता का विकास करें। युवाचार्यश्री ने साध्वी कौमुदीश्री के देवलोकगमन पर भावांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे हमारे संघ के लिए आदर्श थी। आगे भी उन्हें साधना का मार्ग प्रशस्त हो। इस दौरान पूना, नासिक, इंदौर, सिकंदराबाद, औरंगाबाद, इचलकरणजी, उदयपुर आदि क्षेत्रों से गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

-प्रवक्ता सुनिल चपलोत

भव से बेड़ा पार करने भक्त पहुंचे भगवान शांतिनाथ के दरबार

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी जिला टोंक राजस्थान की पावन धरा पर भारत गौरव गणिनी गुरुमां विज्ञाश्री माताजी के आशीर्वाद एवं निर्देशन में 108 फीट उत्तुंग सहस्त्रकूट जिनालय का भव्य निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। वडोदरा,किशनगढ़,मौजमाबाद, कोटा, रुपनगढ़,जयपुर से पधारे हुए यात्रियों ने अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान के चरणों में बैठकर चालीसा एवं शांति मंत्र का जाप किया। भव से बेड़ा पार करने भक्त पहुंचे भगवान शांतिनाथ के दरबार। श्रद्धा भक्ति के साथ नमन वंदन करने से हुई मनोवांछित फल की प्राप्ति। भगवान शांतिनाथ की शांतिधारा में वह चमत्कार है जो सब पापों को कष्टों को नष्ट करने में सर्वोषधि का काम करता है।तत्पश्चात पूज्य माताजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहां कि कर्म ऐसे करो जो धर्म को बढ़ाये। जो मनुष्य अच्छे कर्म करता है उसे अच्छा फल मिलता है और जो बुरे कर्म करता है उसे बुरा फल भोगना ही पड़ता है। कर्म करते समय सावधान रहे और भोगते समय सहनशील बने। कर्म से धर्म की ओर बढ़ने की यात्रा ही जीवन का सूत्र है। पूज्य आर्यिका संघ की आहार चर्या कराने का सौभाग्य चौमूंबाग जैन समाज को प्राप्त हुआ। यात्रीगण क्षेत्र पर दर्शनों का लाभ एवं विभिन्न योजनाओं से जुड़कर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जन औषधि ने किया रेडियोलॉजिस्ट व रेडियोग्राफर्स का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व रेडियोग्राफी दिवस पर शुक्रवार को सामान्य चिकित्सालय में रेडियोलॉजिस्ट व रेडियोग्राफर्स का सम्मान किया गया। जन औषधि केंद्र की ओर से आयोजित कार्यक्रम में पीएमओ डॉ. अमित कुमार गोयल ने अस्पताल में कार्यरत रेडियोग्राफर डॉ. एसएन अग्रवाल व डॉ. ललित शर्मा सहित रेडियोग्राफर नवरत्न खंडेलवाल, जितेंद्र मीना, मनोज गुप्ता,अनुज जिन्दल, विजयलक्ष्मी जैन, आदित्य गौतम, हेमेंद्र गर्ग, कमलेश जैन, कविता चैधरी, आदित्य खंडेलवाल, मनोज मीना, मोहम्मद अशरफ, ब्रजकिशोर चैधरी, रमाकान्त शर्मा, उस्मान खान आदि को माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह प्रदान किया। केंद्र संचालक चंदू शर्मा ने रोग निदान में रेडियोग्राफी की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा आपातकालीन व दीर्घकालीन उपचार में विकिरण तकनीक की उपयोगिता बताई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंजनी मथुरिया ने किया। कार्यक्रम आयोजित करने के लिए राजस्थान रेडियोग्राफर संघ की ओर से नवरत्न खंडेलवाल ने जन औषधि केंद्र का आभार जताया।

जैन धर्म का शाश्वत पर्व अष्टानिका महापर्व शुरू, आठ दिनों तक दिगम्बर जैन मंदिरों में होगें विशेष पूजा विधान

झण्डारोहण, घटयात्रा से हुआ शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म का आठ दिवसीय शाश्वत पर्व अष्टानिका महापर्व झण्डारोहण एवं घट यात्रा से शुक्रवार को शुरू हुआ।इस मौके पर मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठे।इन आठ दिनों के दौरान दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रतिदिन विशेष पूजा अर्चना, मण्डल विधान, सायकांल महाआरती, भक्ति संध्या, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित धार्मिक आयोजनों की धूम रहेगी।राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार जैन धर्म के इस दूसरे बडे पर्व अष्टानिका महापर्व के मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में आठ दिनों तक श्री सिद्ध चक्र महामण्ड़ल विधान पूजा एवं विश्व शांति महायज्ञ, श्री नन्दीश्वर महामण्ड़ल विधान पूजा,कल्पद्रुम महामण्डल विधान पूजा सहित सायकांल सांस्कृतिक कार्यक्रम किये जायेंगे। आठ दिनों तक धर्म की गंगा बहेगी। शुक्रवार 8 नवम्बर को घट यात्रा एवं ध्वजारोहण से अष्टानिका महापर्व का शुभारंभ हुआ ।सिद्ध चक्र महामण्डल विधान की पूजा के दौरान आठ अर्घ्य चढ़ाएं गये।जैन के मुताबिक शुक्रवार, 15 नवम्बर को विश्व शांति महायज्ञ के साथ समापन होगा। कई मंदिरों में शनिवार, 16 नवम्बर को समापन होगा। जैन के मुताबिक वर्ष में तीन बार कार्तिक, फाल्गुन एवं आषाढ माह में मनाये जाने वाले इस पर्व की शुरूआत महासती मैना सुन्दरी द्वारा अपने पति श्रीपाल के कुष्ठ रोग निवारण के लिए की गई आठ दिनों तक सिद्ध चक्र महामण्ड़ल विधान एवं तीर्थंकरों के अभिषेक जल(गन्धोदक) के छींटों से रोग समाप्त होने के कारण पिछले कई वर्षों पूर्व हुई। इसका जैन ग्रन्थों में काफी उल्लेख है। श्री जैन ने बताया कि इस दौरान बुधवार, 13 नवम्बर को अठारहवें तीर्थंकर भगवान अरहनाथ का ज्ञान कल्याणक तथा शुक्रवार, 15 नवम्बर को तीसरें तीर्थंकर भगवान संभवनाथ का जन्म कल्याणक दिवस मनाया जाएगा।जैन के मुताबिक दुगार्पुरा के श्री चन्द्रप्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि पावन सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री सिद्ध चक्र महामण्ड़ल विधान शुरू हुआ। रविवार 10 नवम्बर को दोपहर 1 बजे से मुनि श्री का पिच्छीका परिवर्तन समारोह होगा। मालवीय नगर के सैक्टर 7 स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विधानाचार्य पं. विमल कुमार जैन बनेठा के निर्देशन में अष्टानिका महापर्व के दौरान 8 से 16 नवम्बर तक होने वाली श्री सिद्ध चक्र महामण्ड़ल विधान पूजा शुरू हुई। मानसरोवर के वरुण पथ स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में विधानाचार्य पं. प्रद्युम्न जैन शास्त्री के निर्देशन में शुरू हुए श्री सिद्ध चक्र महामण्ड़ल विधान पूजा का शनिवार 16 नवम्बर तक आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही कीर्तिनगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि समत्व सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में पूजा विधान शुरू हुआ।

संघी जैन मंदिर सांगानेर में घटयात्रा व ध्वजारोहण के साथ श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान शुरू

जयपुर. शाबाश इंडिया

अष्टान्हिका पर्व के अवसर पर आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद व प्रेरणा से श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान व विश्व शांति महायज्ञ शुक्रवार को शुरू हुआ।इस दौरान आसपास का क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। पुण्यार्जक परिवार रिखबचंद, सुरेन्द्र कुमार व नरेन्द्र पांडया ने बताया कि कार्यक्रम के पहले दिन शुक्रवार को सुबह मंगलाष्टक, अभिषेक व शांतिधारा के बाद जयकारों के बीच घटयात्रा जुलूस निकाला गया। घटयात्रा में महिलाएं सिर पर मांगलिक कलष व गीत गाती हुई चल रही थी।घटयात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई मंदिर प्रांगण पहुंची,जहां पर विधानाचार्य पंडित जितेन्द्र कुमार शास्त्री कोटा ने वजारोहण, आचार्य निमंत्रण, मंडप शुद्धि,एवं प्रतिष्ठा,सकलीकरण,इन्द्र प्रतिष्ठा आदि क्रियाएं सम्पन्न करवाई।इसके बाद जाप्यानुष्ठान के बाद विधान शुरू हुआ। इस दौरान भजनों की स्वर लहरियो के बीच मंडल पर 8 अर्ध चढाएं गए। इसी दिन साम को संगीतमय,षास्त्र सभा व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। उन्होंने बताया कि 15नवम्बर तक चलने वाले इस विधान के दौरान 13नवम्बर को 48 दीपकों से भक्तामर स्तोत्र की संगीतमय महाअर्चना व 14नवम्बर को भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। अंतिम दिन 15नवम्बर को सुबह 8.30 बजे मंगलाष्टक, शांतिधारा, नित्य नियम पूजा विश्व शांति महायज्ञ व विधान का समापन होगा।

अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के सानिध्य में हुआ पार्श्व कथा का संगीतमय वाचन

शनिवार को आदिनाथ भवन पर होगा पारस पुराण का वाचन

सामायिक जैनत्व की पहचान है: मुनि प्रणम्य सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हं ध्यान योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने मानसरोवर स्थित मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर पारस पुराण के चल रहे वाचन में आनंद मुनिराज द्वारा सोलह कारण भावनाओं के प्रसंग में शुक्रवार को आवश्यक अपरिहरिणी भावना पर अपनी देशना देते हुए कहा कि जो किसी के वश में नहीं रहते हैं वह ही लोग छह आवश्यक षट को पूरा कर सकते हैं। तीर्थंकरो द्वारा बताएं यह छह आवश्यक कर्म सामयिक, स्तुति, वंदना प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान और कायोत्सर्ग हैं। यह साधु ही नहीं गृहस्थ भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें यदि तीर्थंकरों की परंपराओं से जुड़ना है और युवा पीढ़ी को मानसिक रोग से मुक्त करना है और उनको सशक्त बनाना है तो 6 आवश्यक कार्यों को अपनाना होगा। मुनि श्री ने कहा कि धर्म हमें इंडिपेंडेंट रहना सिखाता है, किसी पर डिपेंडेंट होना नहीं। सामायिक पर देशना देते हुए कहा कि सामायिक जैनत्व की पहचान है। इससे पूर्व स्व. कुन्दन मल झांझरी की पुण्य स्मृति में विजय-माया, राशि झांझरी परिवार ने धर्म सभा में चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन, शास्त्र भेट एवं पाद पक्षालन का

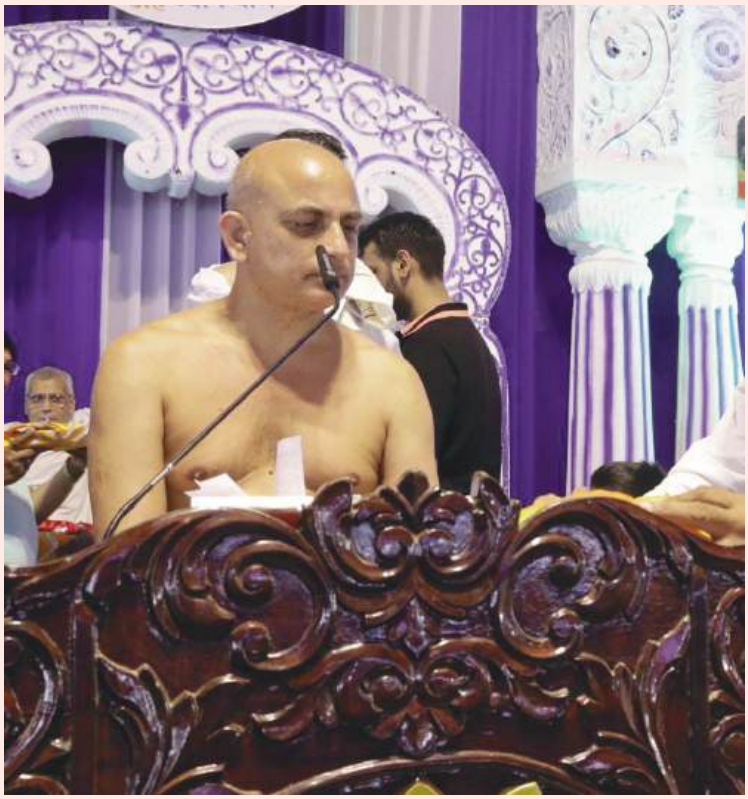

सौभाग्य प्राप्त किया। आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति मीरा मार्ग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन,संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी, एडवोकेट राजेश काला, अरुण श्रीमाल, अशोक छाबड़ा, अरुण पाटोदी, आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी के मुताबिक शनिवार 9 नवम्बर को प्रातः 8.15 बजे मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें जिसमें पारस पुराण का वाचन होगा। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मानसरोवर मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में 13 नवम्बर से 17 नवम्बर तक पांच दिवसीय श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का विशाल आयोजन होगा। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि महामहोत्सव की सारी क्रियाएं व कार्यक्रम मानसरोवर के गोखले मार्ग स्थित सैक्टर 9 के सामुदायिक केन्द्र पर विशाल पाण्डाल में होंगे। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक महामहोत्सव के अन्तर्गत बुधवार 13 नवम्बर को घटयात्रा एवं ध्वजारोहण से पंच कल्याणक महोत्सव का आगाज होगा तथा इसी दिन गर्भ कल्याणक की क्रियाएं होगी। गुरुवार 14 नवम्बर को जन्म कल्याणक, शुक्रवार 15 नवम्बर को तप कल्याणक, शनिवार 16 नवम्बर को ज्ञान कल्याणक मनाया जाएगा। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि महामहोत्सव में रविवार, 17 नवम्बर को मोक्ष कल्याणक की क्रियाएं होगी। इस मौके पर विश्व शांति महायज्ञ के बाद विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। नवीन वेदियों में श्री जी को विराजमान किया जाएगा। तत्पश्चात सम्मान एवं आभार समारोह किया जाएगा। इसी दिन दोपहर 1.00 बजे से मुनि प्रणम्य सागर महाराज की पिच्छिका परिवर्तन समारोह होगा। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया ने बताया कि महामहोत्सव की तैयारियां बडे जोर शोर से चल रही है। आयोजन में जयपुर सहित पूरे देश से लाखों जैन बन्धु शामिल होंगे।

-विनोद जैन कोटखावदा

स्कोडा ऑटो इंडिया: उदयपुर में नई 3 एस डीलरशिप का हुआ उद्घाटन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

यूरोप की प्रतिष्ठित वाहन निर्माता कंपनी स्कोडा ऑटो ने शुक्रवार को उदयपुर के अम्बेरी चौराहा स्थित शांता मोटर्स पर अपनी नई 3 एस डीलरशिप का उद्घाटन किया। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर पेट्र जेनेबा, हेड ऑफ सेल्स जेन प्रोचाजका, बिजनेस हेड अनिला पेण्डसे और शांता मोटर्स के निदेशक राजीव नामजोशी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर इस डीलरशिप का उद्घाटन किया। इस मौके पर 5 ग्राहकों को नई गाड़ियों की डिलीवरी भी दी गई और कंपनी की नई लॉन्च की गई कार का अनावरण हुआ। प्रेस वार्ता के दौरान पेट्र जेनेबा ने बताया कि यह स्कोडा का राजस्थान में 9वां टच प्वाइंट है और राज्य में 6 नए टच प्वाइंट्स खोलने की योजना है। उन्होंने कहा कि हाल ही में लॉन्च की गई नई कॉम्पैक्ट एसयूवी 'कायलाक' के साथ स्कोडा 320 टच प्वाइंट्स के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। इस दौरान जेन प्रोचाजका ने जानकारी दी कि 'कायलाक' की बुकिंग 2 दिसंबर से शुरू होगी और इसकी डिलीवरी 27 जनवरी से शुरू की जाएगी।

रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'

अंबाह में माथुर वैश्य समाज ने निकाला विशाल चल समारोह

अंबाह. शाबाश इंडिया। शहर में शुक्रवार को अखिल भारतीय माथुर वैश्य महासभा ने समाज की जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई। इस दौरान नगर में विशाल चल समारोह निकाला गया, आयोजन में समाज के राष्ट्रीय पदाधिकारी भी शामिल हुए जिन्होंने बच्चों को शिक्षित करने पर जोर दिया शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर जगह-जगह जोरदार स्वागत हुआ। हजारों की संख्या में माथुर वैश्य समाज के पुरुष और महिलाएं शोभायात्रा में शामिल हुए। इस दौरान लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। अखिल भारतीय माथुर वैश्य महासभा की 137वीं जयंती पर कार्यक्रमों के आयोजन की शुरूआत सुबह हवन यज्ञ कर हुई, इसके बाद ध्वजारोहण किया गया। उसेद रोड़ से शोभायात्रा प्रारंभ हुई जोकि नगर के प्रमुख मार्गो से होकर वैजयंती वाटिका पर जाकर समाप्त हुई। जहां सहभोज का आयोजन किया गया। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए और समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। शोभा यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस फोर्स मौजूद रहा। कार्यक्रम में झांकियां प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक गुप्ता, महामंत्री सुनील गुप्ता सहित स्थानीय अध्यक्ष हरेंद्र गुप्ता एवं महिला मंडल की अध्यक्ष अनीता गुप्ता मौजूद रही इस दौरान प्रतिभा सम्मान समारोह, बुजुर्ग सम्मान समारोह सहित खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बालक बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया आयोजन में विभिन्न क्षेत्र में प्रतिभा दिखाने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान भी हुआ।

कीर्ति नगर जैन मंदिर में श्री सिद्धचक्र मण्डल विधान प्रारंभ

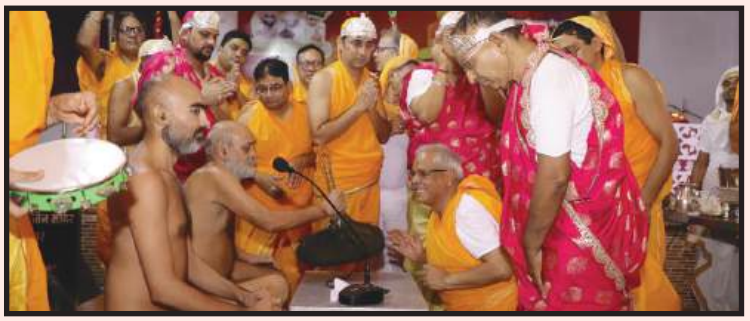

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रमण मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज एवं श्रमण मुनि श्री शील सागर जी महाराज के सानिध्य में कीर्ति नगर जैन मंदिर में आठ दिवसीय सिद्ध चक्र विधान मंडल का आयोजन किया जा रहा है । मंदिर अध्यक्ष अरुण काला व महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि विधान का शुभारंभ घट यात्रा से किया गया उसके पश्चात ध्वजारोहण श्री चिरंजी लाल सेठी परिवार ने किया । अभिषेक व शांतिधारा के पश्चात विधान का शुभारंभ किया गया । मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा की इन आठ दिनों मैं हम इस विधान के द्वारा सिद्धो की आराधना करते है जो भी श्रावक भावो से अच्छे द्रव्य से देव शास्त्र गुरु की आराधना करता है वो अपने भव को सम्भाल लेता है। प्रचार प्रसार मंत्री आशीष बैद ने बताया की विधान की पूजा पंडित विकर्ष जैन शास्त्री सतना द्वारा करायी जा रही है तथा संगीतकार इंदौर की श्रीमती मिनी जैन है। कल 9 नवंबर को कीर्ति नगर जैन मंदिर में श्रुत स्तन्ध वेदी शुद्धि और श्रुत स्थापना का कार्यक्रम प्रातः 10:30 बजे होगा । प्रतिदिन शाम 6 बजे संगीतमय आरती का आयोजन होगा ।

रॉयन स्कूल के क्रिएटिव स्टूडेंट्स के सृजन ने लुभाया

टखमण आर्ट गैलरी में दो दिवसीय प्रदर्शनी आज भी जारी

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शहर के सेक्टर-14 स्थित रॉयन इंटरनेशनल स्कूल के क्रिएटिव स्टूडेंट्स द्वारा बनाई गई कलात्मक चित्रों और फोटोग्राफ्स की दो दिवसीय प्रदर्शनी 'जोय द कलर कोड' शुक्रवार को अंबामाता स्थित टखमण आर्ट गैलरी में शुरू हुई। प्रिंसीपल स्नेहा जोशी ने बताया कि रॉयन स्कूल में नर्सरी से हर बच्चे को कला सृजन से जोड़ दिया जाता है। इस वार्षिक कला प्रदर्शनी में पहली से 12 तक के करीब 250 विद्यार्थियों ने पेंटिंग, फोटोग्राफी और ग्राफिक डिजाइन के माध्यम से अपनी कल्पनाओं को आकर्षक रूप में अभिव्यक्त किया। इनमें सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया गया। कला शिक्षिका ममता व्यास ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ चित्रकार सुरेश शर्मा, विशिष्ट अतिथि संदीप पालीवाल सहित प्रो. हेमंत द्विवेदी, बसंत कश्यप, डॉ. श्रीनिवासन अय्यर, जयेश सिकलीगर ने छात्रों की उत्कृष्ट कलात्मकता की प्रशंसा करते ललित कलाओं से जीवन को सार्थक बनाने पर जोर दिया। वहीं, छात्रों को ख्याति प्राप्त कलाकारों से मिलने और कला की बारीकियों को समझने का अवसर मिला, जो उनके कलात्मक विकास में सहायक सिद्ध होगा। प्रदर्शनी 9 नवम्बर को भी सुबह 9.30 से शाम 6 बजे तक निःशुल्क अवलोकनार्थ खुली रहेगी।

फोटो/खबरः
राकेश शर्मा 'राजदीप'